# राजभाषा कार्यान्वयन

## राष्ट्रीय वैज्ञानिक हिन्दी वेबिनार

केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, कोच्ची की अनुसंधान गतिविधियों का राष्ट्रीय स्तर पर प्रचार-प्रसार करने और वैज्ञानिक क्षेत्र में हिन्दी का प्रयोग बढ़ाने के उद्देश्य से संस्थान में दिनांक 09.03.2021 को नीली अर्थव्यवस्था के लिए समुद्री शैवाल का महत्व विषय पर राष्ट्रीय वैज्ञानिक हिन्दी वेबिनार आयोजित की गयी। वेबिनार की उद्घाटन सभा में डॉ. बी. मीनाकुमारी, भूतपूर्व उप महानिदेशक (मा.वि.), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली मुख्य अतिथि रही। डॉ. पी. कलाधरन, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी अध्यक्ष, एफ ई एम प्रभाग तथा वेबिनार के मुख्य आयोजक ने सभा का स्वागत किया। डॉ. ए. गोपालकृष्णन, निदेशक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ ने अध्यक्ष के रूप में सभा का संबोधन किया। डॉ. पी. पॉल पांडियन, मात्स्यिकी, पशु पालन एवं डेयरी मंत्रालय, मात्स्यिकी विभाग, कृषि भवन, नई दिल्ली और डॉ. प्रवीण पी., सहायक महानिदेशक (मा. वि.), भा कृ अनु प, नई दिल्ली वेबिनार में सम्मानीय अतिथि थे और उन्होंने सभा का संबोधन किया। श्रीमती सीमा चोपड़ा, निदेशक (राजभाषा), भा कृ अनु प, नई दिल्ली ने आशीर्वचन दिया। श्रीमती ई. के. उमा, मुख्य तकनीकी अधिकारी (हिन्दी अनुवादक) ने कृतज्ञता अदा किया। इस अवसर पर वेबिनार में प्रस्तुत किए गए लेखों की सारांश पुस्तिका का विमोचन किया गया।

बेबिनार में सी एम एफ आर आइ मुख्यालय एवं क्षेत्रीय केन्द्रों व स्टेशनों तथा अन्य मात्स्यिकी संगठनों के वैज्ञानिकों ने अनुसंधान लेख प्रस्तुत किए। डॉ. पी. के. अशोकन, प्रधानवैज्ञानिक एवं प्रभारी वैज्ञानिक, कालिकट क्षेत्रीय स्टेशन, डॉ. वेंकटेशन वी., वरिष्ठ वैज्ञानिक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, कोच्ची और डॉ. रतीशकुमार आर.,वैज्ञानिक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ, कोच्ची ने वेबिनार में लेखों के प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन किया। डॉ. काजल चक्रवर्ती, प्रधान वैज्ञानिक, भा कृ अनु प—सी एम एफ आर आइ, कोच्ची और डॉ. अनुज कुमार, वैज्ञानिक, सी आइ एफ टी, कोच्ची उत्कृष्ट प्रस्तुतीकरण के पुरस्कार प्राप्त हुए। वेबिनर में भाग लिए वैज्ञानिकों को ई- प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

हिन्दी वेबिनार की सारांश पुस्तिका का विमोचन